भारतीय स्टेट बैंक के बारे में

वर्ष 1806 में बैंक ऑफ कलकत्ता के रूप में स्थापित भारत का सबसे पहला बैंक बाद में भारतीय स्टेट बैंक के रूप में निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। 200 वर्षों से अधिक की समृद्ध परंपरा वाला यह भारतीय उप-महाद्वीप का पहला वाणिज्यिक बैंक राष्ट्र की हजार खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के सशक्तीकरण और इसकी विशाल जनसंख्या की आकांक्षाओं की पूर्ति में निरंतर सेवारत है।

भारतीय स्टेट बैंक परिसंपत्तियों, जमाराशियों, लाभ, शाखा, ग्राहक और कर्मचारी संख्या में देश का सबसे बड़ा वाणिज्यिक बैंक है। यह करोड़ों ग्राहकों के निरंतर विश्वास के साथ आज हर भारतीय का बैंक है।

भारतीय स्टेट बैंक का मुख्यालय मुंबई में स्थित है और यह अपनी विभिन्न शाखाओं और आउटलेटों, संयुक्त उद्यमों, अनुषंगियों तथा सहयोगी कंपनियों के माध्यम से व्यक्तियों, वाणिज्यिक उद्यमों, बड़े कॉरपोरेटों, सार्वजनिक निकायों और संस्थात्मक ग्राहकों को विभिन्न प्रकार के उत्पाद एवं सेवाएं उपलब्ध कराता है।

हमारा विज़न

- मेरा भारतीय स्टेट बैंक।
- मेरा ग्राहक सर्वोपरि।
- मेरा एसबीआईः ग्राहक संतुष्टि में प्रथम।

हमारा मिशन

- हम अपने ग्राहकों के प्रति तत्पर, विनम्र एवं संवेदनशील रहेंगे।
- हम युवा भारत की भाषा बोलेंगे।
- हम ऐसी सेवाएं बनाएंगे जो हमारे ग्राहकों के सपनों को पूरा कर सकें।
- हम कर्तव्य से आगे जाकर अपने ग्राहकों को यह एहसास कराएंगे कि वे महत्वपूर्ण हैं।
- हम देश के सुदूर भागों में भी सेवाएं प्रदान करेंगे।
- विदेश-स्थित लोगों को हम वैसी ही सर्वोत्कृष्ट सेवा प्रदान करेंगे, जैसी भारतवासियों को प्रदान करते हैं।
- उत्कृष्टता प्राप्ति के लिए हम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी अपनाएंगे।

हमारा मूल्य

- हम सदा ईमानदार, निश्छल और नीतिप्रिय रहेंगे।
- हम अपने ग्राहकों एवं सहकर्मियों का सम्मान करेंगे।
- ज्ञान हमारा मार्गदर्शक होगा।
- हम सीखने की प्रक्रिया जारी रखेंगे और प्राप्त ज्ञान का प्रसार करेंगे।
- हम कभी सुविधावादी मार्ग नहीं अपनाएंगे।
- जिस समाज में हम कार्य करते हैं उसके उत्थान हेतु हम हर संभव प्रयास करेंगे।
- हम भारत में गर्व का विकास करेंगे।

भारतीय स्टेट बैंक की उपलब्धिपूर्ण यात्रा

1 No.
देश का सबसे बड़ा बैंक (जमाराशियां, अग्रिम, शाखाएं और कर्मचारी)

59,000+
देश भर में एटीएम

23.30 करोड़+
स्टेट बैंक समूह डेबिट कार्ड धारक

1.77 करोड़+
ग्रीन रेमिट कार्ड

30.12 करोड़+
सक्रिय ग्राहक आधार

64,628
व्यवसाय प्रतिनिधि और ग्राहक सेवा केन्द्र

2.55 करोड़+
इंटरनेट बैंकिंग प्रयोक्ता

1,03,565
समस्त भारत में गांवों को सेवा

31.90 लाख करोड़+
व्यवसाय आकार

7.22 करोड़+
कोर बैंकिंग लेनदेन (दैनिक औसत लेनदेन)

4.09 लाख+
संपर्क केंद्र में प्रतिदिन औसत कॉल

4.21 करोड़+
रुपे डेबिट कार्ड

36,000
मर्चेंट बैंकिंग गठजोड़

1.16 करोड़+
प्रति दिन औसत एटीएम लेनदेन

3.00 लाख+
पीओएस मशीनें

5.32 करोड़+
प्रधानमंत्री जनधन योजना खाते

एसबीआई ऑनलाइन विश्व में देखी जाने वाली आठवीं सबसे बड़ी बैंकिंग साइट है।

डिजिटल विस्तार की स्थिति

इंटरनेट बैंकिंग लेनदेन (करोड़)

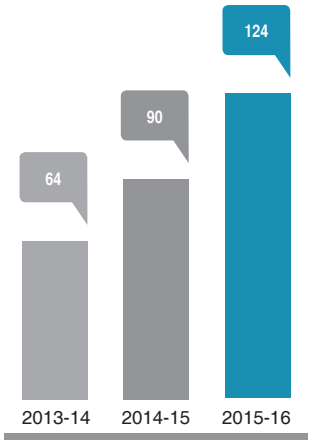

मोबाईल बैंकिंग लेनदेन (लाख)

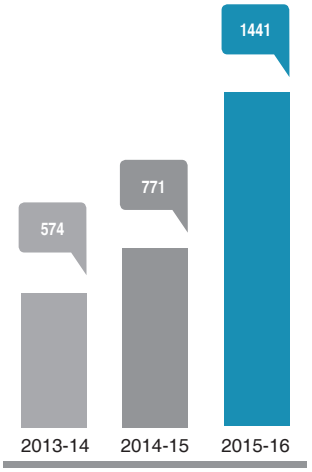

पीओएस लेनदेन (लाख)

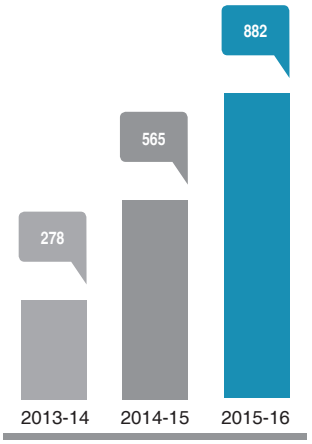

आगे बढ़ते भारत का स्मार्ट बैंक

डिजिटल अर्थव्यवस्था फल-फूल रही है। भारतीय स्टेट बैंक डिजिटल मॉडल को अपनाते हुए इसका विकास कर रहा है। इसने अपनी प्रौद्योगिकी और चैनल प्लेटफॉर्म को पर्याप्त रूप से उन्नत किया है।

भारत प्रथम विश्व का देश बनने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटीज़, भारतनेट आदि जैसे नए अवसरों पर इसका ध्यान केंद्रित है। परिणामस्वरूप, इंटरनेट, सोशल मीडिया और स्मार्ट फोन के माध्यम से बैंकिंग करने वाले भारतीयों की संख्या बढ़ती जा रही है। वे चाहते हैं कि मोबाइल, आइपैड या पी सी के माध्यम से बैंकिंग करते समय उन्हें प्रारंभ से अंत तक की सभी सुविधाएँ अविरल प्राप्त हों। इसी प्रकार कारपोरेट, लघु एवं मध्यम उद्यम और सरकारी संस्थान अपने कामकाज में दक्षता और मितव्ययिता के लिए इंटरनेट का प्रयोग कर रहे हैं। व्यवसाय की नई क्रांति के कारण रोजमर्रा के उबाऊ कार्यों को निपटाने का लोगों का तरीका बिलकुल बदल रहा है। ग्रामीण भारत भी इस यात्रा में पीछे नहीं छूटना चाहता। करोड़ों ग्रामीण वित्तीय रूप से साक्षर बन चुके हैं और अपने धन की सुरक्षा तथा सामाजिक लाभ प्राप्त करने के लिए औपचारिक बैंकिंग प्रणाली का उपयोग कर रहे हैं। अर्थव्यवस्था सधे हुए कदमों के साथ निरंतर कदम बढ़ा रही है और उसके साथ भारत भी निश्चित रूप से आगे बढ़ रहा है।

भारत के सबसे बड़े बैंक के रूप में हम हजारों वाणिज्यिक इकाइयों और करोड़ों व्यक्तियों के जीवन से एकाकार हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था के फलने-फूलने के साथ-साथ भारतीय स्टेट बैंक ने भी अपनी प्रौद्योगिकी और चैनल प्लेटफॉर्मों को उसी अनुरूप उन्नत किया है। कुछ मामलों में तो वह आगे भी रहा है। भारतीय स्टेट बैंक चाहता है कि ग्राहकों को बैंकिंग सुविधाएँ उंगलियों के इशारों पर प्राप्त होने लगे। हम मानते हैं कि बैंकिंग का मतलब है कि ग्राहकों का धन उनके लिए हमेशा उपलब्ध रहे। हमारे ग्राहक चाहते हैं कि उनके लेनदेन पहले से ज्यादा शीघ्रता, त्रुटिहीनता और आसानी से हों। उनकी इसी आकांक्षा के अनुरूप हमने स्वयं को इस प्रकार तैयार किया है कि हम ग्राहकों के नए रुझानों को पूरा कर सकें और "स्मार्ट" बैंक के रूप में हमारी सेवाओं का स्तर "आगे बढ़ते भारत" की आवश्यकताओं के अनुरूप कर सकें।

हमारा अनुमान है कि मोबिलिटी, सोशल मीडिया, क्लाउड और डेटा विश्लेषण से डेटा में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। भारतीय स्टेट बैंक डिजिटल व्यवसाय मॉडल को पूरे उत्साह और सामर्थ्य से अपना रहा है। हमारे द्वारा तैयार विभिन्न प्लेटफॉर्म के बनिस्पत हमने अपना एक अलग स्थान बना लिया है, जहाँ हमारे ग्राहक सदा हमसे जुड़े रहते हैं और हम सदा उनके लिए उपलब्ध रहते हैं। डिजिटल माध्यम अपनाने के प्रति अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता से हमें विश्वास है कि हम अत्यंत प्रतिस्पर्धी, प्रासंगिक और सुस्थापित बने रहेंगे तथा संपूर्ण बैंकिंग उद्योग को आगे ले जाएंगे।

इसी उत्साह के आधार पर हमने पिछले वर्ष बताया था कि हम किस प्रकार "डिजिटल भारत के बैंकर" बने। हमारी यह यात्रा वित्त वर्ष 2016 में भी इसी प्रकार जारी रही और हमने प्रौद्योगिकी में हुई महत्वपूर्ण प्रगति को आत्मसात किया। उचित ही है कि हमारी वार्षिक रिपोर्ट उन महत्वपूर्ण पड़ावों पर केंद्रित हैं, जिन्हें "आगे बढ़ते भारत का स्मार्ट बैंक" बनने की राह में हमने पार किया है।

एक स्मार्ट बैंक,
बढ़ते भारत के लिए...

नई पीढ़ी के लिए स्मार्ट बैंक

इस समय 122 "एसबीआई इनटच" शाखाओं में हजारों ग्राहक नए प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं प्राप्त करने का अनुभव कर चुके हैं।

122 एसबीआई इनटच शाखाएं और इनकी संख्या बढ़ रही हैं

35.97% मोबाइल बैंकिंग में बाजार अंश - राशि के अनुसार

बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुरूप अपने विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं को अपनाने की परंपरा का पालन करते हुए, भारतीय स्टेट बैंक यथा संभव हमारी युवा पीढ़ी से जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। देश के 70 जिलों में हमारी एसबीआई इनटच शाखाओं के विस्तार के साथ, हमने शाखा बैंकिंग में नए आदर्श बनाने के लिए सकारात्मक कदम उठाए। आज, दो वर्षों की अल्प अवधि में ही हमारी 122 "एसबीआई इनटच शाखाएं" हैं, जिनका हमारे हजारों ग्राहकों ने पहले ही अनुभव किया है। "एसबीआई इनटच" बैंक व्यवस्था के विशाल नेटवर्क और डिजिटल/मोबाइल प्लेटफॉर्मों को एकीकृत करने के हमारे विजन को साकार किया है, ताकि ग्राहकों को विश्वस्तरीय बैंकिंग अनुभव उपलब्ध कराया जा सके। ये आउटलेट अति-आधुनिक गैजेट एवं मशीनों से सुसज्जित हैं, जो ग्राहकों को साइट एवं दूरस्थ विशेषज्ञ की सहायता से स्वयं सेवा पद्धति में ही लेनदेन करने की सुविधा प्रदान करते हैं।

मोबाइल स्मार्ट फोन के कारण भी हमारे कार्य एवं सामाजिक व्यवहार में आमूल-चूल परिवर्तन आया है। भारतीय स्टेट बैंक में हम अपने ग्राहकों की सुविधा बढ़ाने, मजबूत संबंध बनाने, व्यय कम करने और अपने ब्रांड को मजबूत बनाने के लिए मोबाइल बैंकिंग सुविधाएं ग्राहकों के हाथ में देने पर ध्यान दे रहे हैं। बैंक इस समय 1.77 करोड़ प्रयोक्ताओं एवं लेनदेनों की राशि की दृष्टि से 35.97% बाजार अंश के साथ भारत में मोबाइल बैंकिंग सेवाओं के मामले में अग्रणी है।

इसी प्रकार, भारतीय स्टेट बैंक ने बहुत पहले ही नकदी रहित समाज की ओर जाने की आवश्यकता को समझा और प्लास्टिक मनी की व्यवस्था बनाने की दिशा में सबसे आगे रहने के लिए प्रयास किए हैं। आज उसके पास कार्डों के जरिए भुगतान स्वीकार करने के लिए सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक संरचना उपलब्ध है। बाजार में तीन लाख से भी अधिक पॉइंट ऑफ सेल टर्मिनल लगाए जाने के साथ हम सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच अत्यधिक मर्चेंट संबंधों के साथ भारत के चार शीर्ष लेनदेन एक्वायरों में से आगे है। जहाँ तक अपने ग्राहकों को अपने संयुक्त उद्यम एसबीआईसीपीएसएल के जरिए कार्ड जारी करने की बात है, 35 लाख प्रयोक्ता आधार एवं व्यय की गई राशि की दृष्टि से 12% बाजार अंश के साथ भारतीय स्टेट बैंक समूह क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली तीसरी बड़ी कंपनी है। जहाँ तक डेबिट कार्डों का संबंध है, केवल भारतीय स्टेट बैंक के 23 करोड़ से भी अधिक प्रयोक्ता हैं।

कारपोरेटों और सरकारों का "स्मार्ट" बैंक

ई-वाणिज्य के क्षेत्र में हम पूरे देश के सबसे बड़े खिलाड़ी हैं। वित्त वर्ष 2016 में हमारे माध्यम से 67 करोड़ ई-कॉमर्स लेनदेन हुए।

36,000
मर्चेंट बैंकिंग गठजोड़

2,250 **कॉरपोरेट**
यूज ई-ट्रेड पोर्टल

पहले कहा जाता था कि पैसे से दुनिया में सब कुछ मिलता है, किंतु अब ऑनलाइन व्यापार और लेनदेन से दुनिया में सब कुछ पहले से ज्यादा तेजी से मिलता है।

हमारा ऑनलाइन बैंकिंग प्लेटफॉर्म onlinesbi.com खुदरा, कारपोरेट और संस्थात्मक ग्राहकों को भरोसेमंद और ग्राहक-अनुकूल सेवाएँ प्रदान करता है, जिनमें सरकारी उपक्रम और सरकारी एजेंसियाँ भी शामिल हैं। इस किफायती चैनल पर वित्त वर्ष 2016 में 124 करोड़ से अधिक लेनदेन हुए, जो पिछले वर्ष से 39% अधिक हैं। हमने प्रत्यक्ष रूप से या स्टेट बैंक कलेक्ट और ई-वाणिज्य समूहकों के मार्फत 36,000 से ज्यादा व्यापारिक गठजोड़ किए हैं, जिनके माध्यम से वित्त वर्ष 2016 में हुए 67 करोड़ से अधिक लेनदेनों ने हमें इस क्षेत्र का अब तक का सबसे बड़ा खिलाड़ी बना दिया है।

एसबीआई का ई-ट्रेड एक वेब आधारित पोर्टल है। इसके माध्यम से हमारे ग्राहक व्यापार वित्त संबंधी सुविधाएँ अधिक तीव्रता और कुशलता से प्राप्त कर सकते हैं। इस समय लगभग 2,250 कारपोरेट इस पोर्टल का उपयोग कर रहे हैं। हम अपने ई-वी एफएस/ई-डीएफएस के माध्यम से उनके आपूर्ति श्रृंखला भागीदारों को भी ऋण प्रदान कर रहे हैं, जिससे वे अपने कार्यशील पूंजी चक्र का कुशलता से प्रबंधन कर निरंतर वृद्धि करते हुए बेहतर लाभप्रदता प्राप्त कर रहे हैं। पूरे देश के 182 से ज्यादा उद्योग अग्रणी अपने लगभग 3,900 विक्रेताओं और 12,900 से अधिक व्यापारियों के साथ हमारे इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म पर आ चुके हैं।

एसबीआई ने अपनी डिजिटल अवसंरचना के उपयोग में लंबे डग भरे हैं, जिनसे ई-गवर्नेन्स में कुशलता और उत्पादकता के नए प्रतिमान स्थापित हुए हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की जरूरत की ई-सुविधाएँ सृजित करने में बैंक अग्रणी रहा है, जिससे सरकारों को अपने लेनदेन ऑनलाइन करने की क्षमता प्राप्त हुई है और इनकी कार्यप्रणाली में कुशलता तथा पारदर्शिता आई है।

इस समय एसबीआई ई-पे भारत में किसी भी बैंक की पहली और एकमात्र समूहक सेवा है। भुगतान की अन्य विधियों और अन्य उपयोगकर्ताओं को भी इस प्लेटफॉर्म पर लाने की योजना है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों के विभागों तथा नगर निगमों पर विशेष ध्यान रहेगा।

ग्राहकों और कर्मचारियों को "स्मार्ट" बनाए रखना

ग्राहक और कर्मचारीगण प्रौद्योगिक परिवेश में हो रहे परिवर्तन के साथ कदम मिलाकर चल सकें, इस हेतु उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए हम काफी परिश्रम करते हैं।

385
प्रौद्योगिकी ज्ञानार्जन केंद्र

279,000
प्रशिक्षित सहभागी

"स्मार्ट" बैंक होना और मल्टिपल डिजिटल चैनल रखना ही काफी नहीं है। कई लोग हैं, जो तेज गति से हो रहे परिवर्तनों से घबरा जाते हैं और प्रौद्योगिकी को आसानी से अपना नहीं पाते। कई ग्राहक अपने हर कार्य के लिए शाखा में आते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि इलेक्ट्रॉनिक चैनलों में उलझन या जोखिम है। हम चाहते हैं कि हम जिस तेज गति की सेवाएँ उपलब्ध करा रहे हैं, उसे अपनाने के लिए हमारे ग्राहक भी उसी गति से तैयार हो सकें।

भारतीय स्टेट बैंक मानता है कि ग्राहकों को उनके आसपास मौजूद प्रौद्योगिकी के बारे में शिक्षित करने की जिम्मेदारी उसकी है, ताकि वे किसी भी दिन किसी भी समय अपना बैंकिंग कामकाज बिना किसी की मदद के कर सकें और उनका जीवन अधिक सुकर बने। आम आदमी को वित्तीय रूप से साक्षर और वित्तीय सेवाओं के प्रभावी उपयोग में सक्षम बनाने के मुख्य प्रयोजन से हमने देश के विभिन्न स्थानों में 385 प्रौद्योगिकी ज्ञानार्जन केंद्र (टी एल सी) स्थापित किए हैं, जहाँ बैंक के विभिन्न प्रौद्योगिकी आधारित चैनलों के बारे में संवादात्मक सत्र और प्रदर्शन आयोजित किए जाते हैं। अब हमारे हजारों ग्राहक डिजिटल चैनलों का प्रयोग पहले से ज्यादा मात्रा में कर रहे हैं।

दूसरी ओर, डिजिटल बैंकिंग में अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखने के लिए नवीनतम प्रवृत्तियों, पद्धतियों और नए प्रकार की प्रौद्योगिकी से अपने कर्मचारियों को अवगत कराना भी उतना ही आवश्यक है। इस दिशा में कार्य करते हुए भारतीय स्टेट बैंक ज्ञान का प्रसार करने और अपने कार्यबल को शिक्षित करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का समुचित उपयोग कर रहा है। वर्ष के दौरान हमने ऑन लाइन पाठ्यक्रमों की संख्या में और वृद्धि की। इस माध्यम से हम 2,79,000 से अधिक सहभागियों को प्रशिक्षित कर चुके हैं। इन पाठ्यक्रमों में ई-लेसन, मोबाइल नगेट्स्, ई-कैप्सूल, प्रकरण अध्ययन और हमारे ज्ञानार्जन पोर्टल 'ज्ञानोदय' पर ई-प्रकाशन शामिल हैं। अब भारतीय स्टेट बैंक के प्रत्येक कर्मचारी के लिए निर्धारित अवधि का ई-प्रशिक्षण अनिवार्य कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हम अपने परिचालन क्षेत्र की सर्वोत्तम बैंकिंग प्रथाओं से पूर्णतः परिचित रहें और उन्हीं के अनुसार कार्य करें।

रेटिंग्स 31 मार्च, 2016 को

	रेटिंग	रेटिंग एजेंसी
बैंक रेटिंग	पोजिटिव/बीएए 3/पी-3/बीए1	मूडीस
	बीबीबी-/ स्टेबल/ए-3	एस एण्ड पी
	बीबीबी-/एफ़ 3/ स्टेबल	फिच
लिखत		
नवोन्मेषी बेमियादी ऋण लिखत	एएए/ स्टेबल	क्रिसिल
	केयर एएए	केयर
उच्चतर टियर II गौण ऋण	एएए/ स्टेबल	क्रिसिल
	केयर एएए	केयर
निम्नतर टियर II गौण ऋण	एएए/ स्टेबल	क्रिसिल
	केयर एएए	केयर
	(आईसीआरए) एएए	आईसीआरए
बेसल III टियर II	एएए/स्टेबल	क्रिसिल
	केयर एएए	केयर
	(आईसीआरए) एएए (एचवाईबी)	आईसीआरए

केयर : क्रेडिट एनालिसिस एण्ड रिसर्च लिमिटेड
आईसीआरए : आईसीआरए लिमिटेड
क्रिसिल : क्रिसिल लिमिटेड
एस एंड पी : स्टेंडर्ड एण्ड पुअर

एसबीआई समूह संरचना 27 मई, 2016 को

(स्वामित्व अंश %)

एसबीआई

देशीय बैंकिंग अनुषंगियाँ

- 75.07% स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
- 100% स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद
- 90% स्टेट बैंक ऑफ मैसूर
- 100% स्टेट बैंक ऑफ पटियाला
- 79.09% स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर

गैर- बैंकिंग अनुषंगियाँ / संयुक्त उद्यम

- 100% एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि.
  - एसबीआई कैप सिक्युरिटीज लि.
  - एसबीआई कैप वेंचर्स लि.
  - एसबीआई कैप (यू के लि.)
  - एसबीआई कैप ट्रस्टीज कंपनी लि.
  - एसबीआई कैप (सिंगापुर लि.)
- 63.78% एसबीआई डीएफएचआई लि.
- 100% एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्रा. लि.
- 100% एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.
- 86.18% एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लि.
- 60% एसबीआई पेंशन फंड्स प्रा. लि.
- 63% एसबीआई फंड्स मैनेजमैंट प्रा. लि.
  - एसबीआई फंडस मैनेजमैंट (इंटरनेशनल) प्रा. लि .
- 60% एसबीआई कार्ड्स एण्ड पेमेंट्स सर्विसेज प्रा. लि.

गैर- बैंकिंग अनुषंगियाँ / संयुक्त उद्यम

- 74% एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि.
- 65% एसबीआई- एसजी ग्लोबल सिक्युरिटीज सर्विसेस प्रा. लि.
- 74% एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि .
- 49% सी-एज टेक्नोलोजीज लि.
- 40% जी ई कैपिटल बिजनेस प्रोसेस मैनेजमैंट सर्विसेस प्रा. लि.
- 45% मैकवेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.
  - मैकवेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्रा. लि.
- 45% एसबीआई मैकवेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.
- 45% एसबीआई मैकवेरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टीज प्रा. लि.
- 50% ओमान इंडिया ज्याइंट इन्वेस्ट्मेंट फंड मैनेजमैंट कंपनी प्रा. लि.
- 50% ओमान इंडिया ज्याइंट इन्वेस्टमेंट फंड-ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.
- 100% एसबीआई फाउंडेशन

विदेशी बैंकिंग अनुषंगियाँ/संयुक्त उद्यम

- 100% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (केलिफोर्निया)
- 100% एसबीआई कनाडा बैंक
- 60% कामर्शियल इंडो बैंक एल एल सी. मास्को
- 96.60% एसबीआई मॉरिशस लि.
- 99.00% बैंक एसबीआई इंडोनेशिया
- 55.10% नेपाल एसबीआई बैंक लि.
- 100% बैंक एसबीआई बोत्सवाना लि.
- 20% बैंक ऑफ भूटान लि.

निष्पादन संकेतक

कुल आय (₹ करोड़ में)

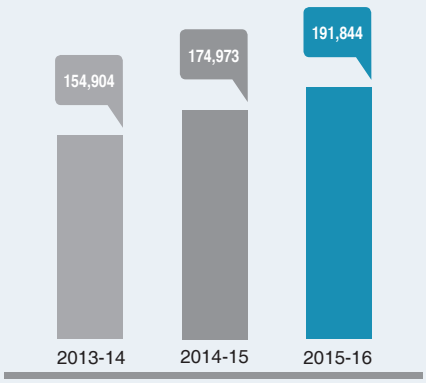

परिचालन लाभ (₹ करोड़ में)

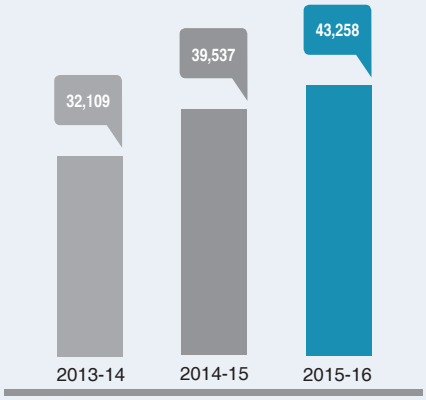

निवल लाभ (₹ करोड़ में)

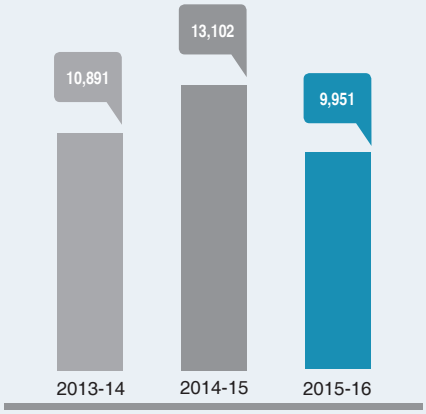

निवल ब्याज आय (₹ करोड़ में)

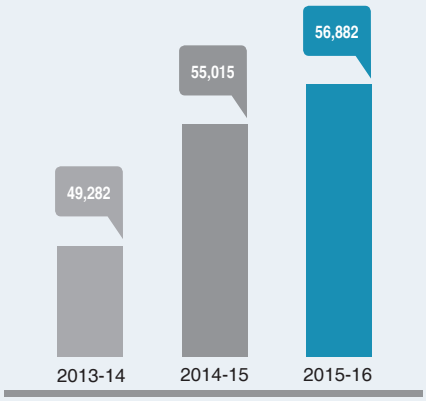

अन्य आय (₹ करोड़ में)

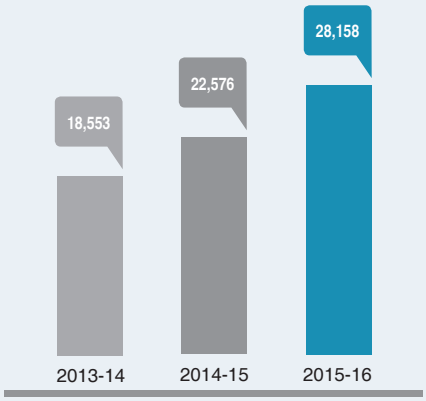

आय की तुलना में खर्च अनुपात %

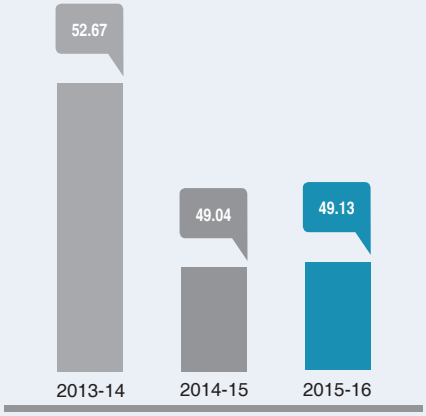

निवल ब्याज मार्जिन %

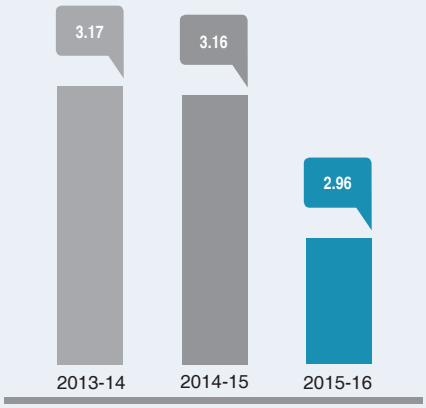

आस्तियों पर आय %

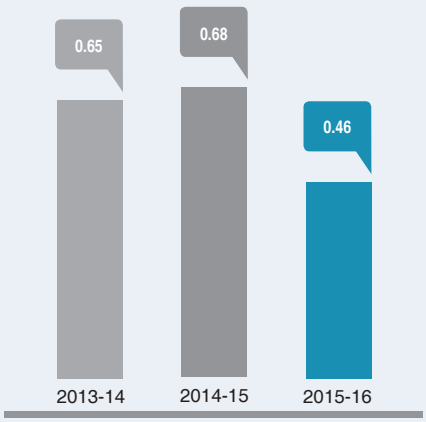

ईक्विटी पर आय %

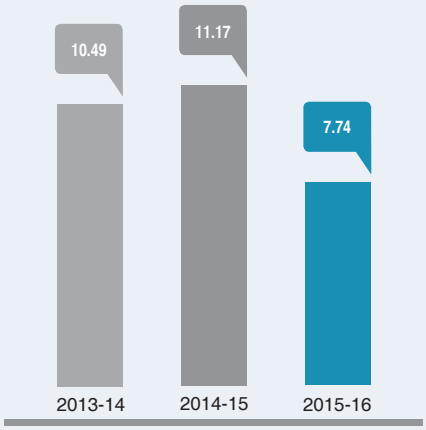

प्रति शेयर आय*

(₹)

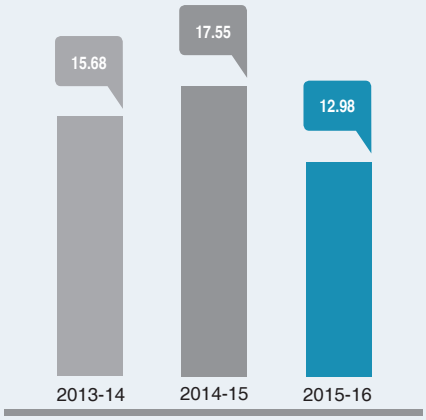

सकल एनपीए अनुपात

%

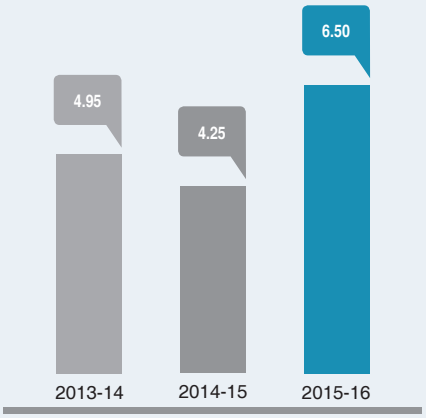

निवल एनपीए अनुपात

%

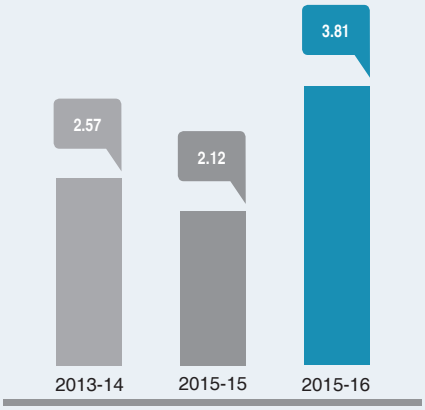

जमाराशियां और अग्रिम

(₹ करोड़ में)

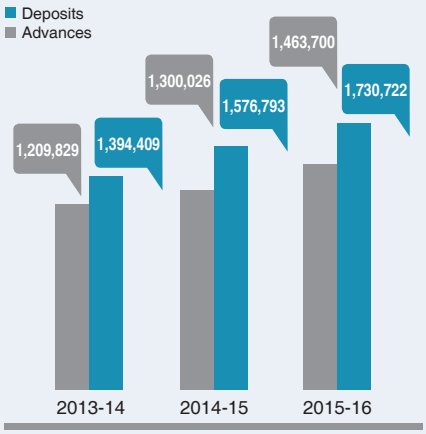

प्रति शेयर बही मूल्य*

(₹)

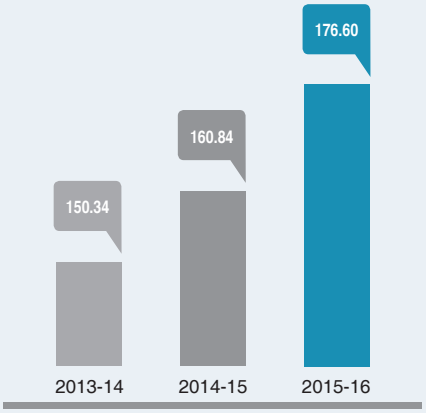

पूंजी पर्याप्तता अनुपात

%

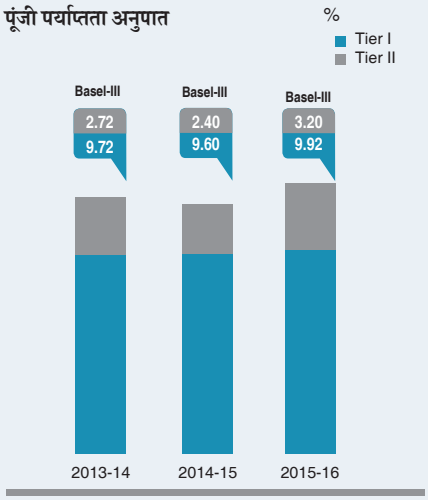

वित्त वर्ष 2015-16 में अर्जन

%

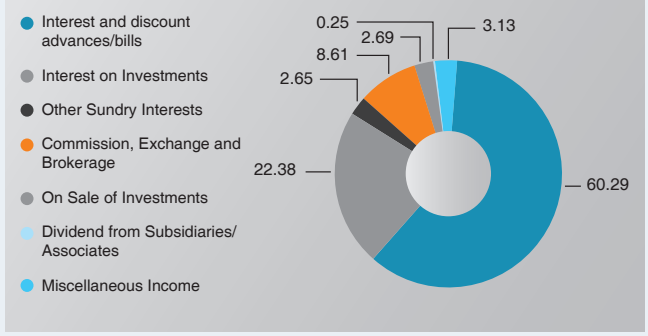

वित्त वर्ष 2015-16 में खर्च

%

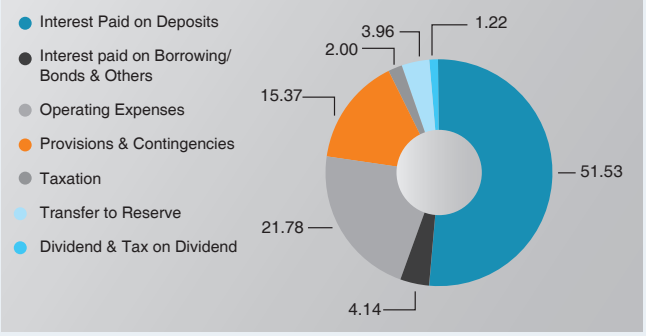

बैंक के शेयर के अंकित मूल्य को 22 नवंबर 2014 से 10 रुपए प्रति शेयर से 1 रुपए प्रति शेयर किया गया। प्रत्येक अवधि के लिए प्रस्तुत सभी सूचना में इसके प्रभाव को दर्शाया गया है।

पिछले 10 वर्षों का वित्तीय प्रदर्शन

	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
देयताएं										
पूंजी (करोड़ ₹)	526	631	635	635	635	671	684	747	747	776
आरक्षित निधियां एवं अधिशेष (करोड़ ₹)	30,772	48,401	57,313	65,314	64,351	83,280	98,200	1,17,536	1,27,692	1,43,498
जमाराशियां (करोड़ ₹)	4,35,521	5,37,404	7,42,073	8,04,116	9,33,933	10,43,647	12,02,740	13,94,409	15,76,793	17,30,722
उधारियां (करोड़ ₹)	39,704	51,728	53,713	1,03,012	1,19,569	1,27,006	1,69,183	1,83,131	2,05,150	2,24,191
अन्य (करोड़ ₹)	60,042	83,362	1,10,698	80,337	1,05,248	80,915	95,404	96,927	1,37,698	1,59,876
कुल (करोड़ ₹)	**5,66,565**	**7,21,526**	**9,64,432**	**10,53,414**	**12,23,736**	**13,35,519**	**15,66,211**	**17,92,748**	**20,48,080**	**22,59,063**
आस्तियां										
निवेश (करोड़ ₹)	1,49,149	1,89,501	2,75,954	2,85,790	2,95,601	3,12,198	3,50,878	3,98,800	4,81,759	4,77,097
अग्रिम (करोड़ ₹)	3,37,337	4,16,768	5,42,503	6,31,914	7,56,719	8,67,579	10,45,617	12,09,829	13,00,026	14,63,700
अन्य आस्तियां (करोड़ ₹)	80,079	1,15,257	1,45,975	1,35,710	1,71,416	1,55,742	1,69,716	1,84,119	2,66,295	3,18,266
कुल (करोड़ ₹)	**5,66,565**	**7,21,526**	**9,64,432**	**10,53,414**	**12,23,736**	**13,35,519**	**15,66,211**	**17,92,748**	**20,48,080**	**22,59,063**
निवल ब्याज आय (करोड़ ₹)	15,058	17,021	20,873	23,671	32,526	43,291	44,329	49,282	55,015	56,882
एनपीए के लिए प्रावधान (करोड़ ₹)	1,429	2,001	2,475	5,148	8,792	11,546	11,368	14,224	17,908	26,984
परिचालन परिणाम (करोड़ ₹)	10,000	13,108	17,915	18,321	25,336	31,574	31,082	32,109	39,537	43,258
कर-पूर्व निवल लाभ (करोड़ ₹)	7,625	10,439	14,181	13,926	14,954	18,483	19,951	16,174	19,314	13,774
निवल लाभ (करोड़ ₹)	4,541	6729	9121	9,166	8,265	11,707	14,105	10,891	13,102	9,951
औसत आस्तियों से आय (%)	0.84	1.01	1.04	0.88	0.71	0.88	0.97	0.65	0.68	0.46
ईक्विटी से आय (%)	14.24	17.82	15.07	14.04	12.84	14.36	15.94	10.49	11.17	7.74
आय की तुलना में व्यय (%) (निवल आय की तुलना में परिचालन व्यय)	54.18	49.03	46.62	52.59	47.6	45.23	48.51	52.67	49.04	49.13
प्रति कर्मचारी लाभ (000 ₹)	237	373	474	446	385	531	645	485	602	470
प्रति शेयर आय (₹)	86.1	126.62	143.77	144.37	130.16	184.31	210.06	156.76	17.55	12.98
प्रति शेयर लाभांश (₹)	14	21.5	29	30	30	35	41.5	30	3.5	2.60
एसबीआई शेयर (एनएससी में मूल्य) (₹)	994.45	1,600.25	1,067.10	2,078.20	2,765.30	2,096.35	2,072.75	1,917.70	267.05	194.25
लाभांश भुगतान अनुपात %(₹)	16.22	20.18	20.19	20.78	23.05	20.06	20.12	20.56	20.21	20.28
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)										
बासेल-II (₹करोड़ में)	N.A.	N.A.	85,393	90,975	98,530	1,16,325	1,29,362	1,45,845	1,54,491	1,81,800
बासेल-II (%)			14.25	13.39	11.98	13.86	12.92	12.96	12.79	13.94
टियर I (₹करोड़ में)	N.A.	N.A.	56,257	64,177	63,901	82,125	94,947	1,12,333	1,22,025	1,35,757
टियर I (%)			9.38	9.45	7.77	9.79	9.49	9.98	10.1	10.41
टियर II (₹करोड़ में)	N.A.	N.A.	29,136	26,798	34,629	34,200	34,415	33,512	32,466	46,043
टियर II (%)			4.87	3.94	4.21	4.07	3.43	2.98	2.69	3.53
बासेल-III (₹करोड़ में)	N.A.	N.A.	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	1,40,151	1,46,519	1,75,903
बासेल-III (%)								12.44	12	13.12
टियर I (₹करोड़ में)	N.A.	N.A.	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	1,09,547	1,17,157	1,33,035
टियर I (%)								9.72	9.6	9.92
टियर II (₹करोड़ में)	N.A.	N.A.	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	30,604	29,362	42,868
टियर II (%)								2.72	2.4	3.20
निवल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए (%)	1.56	1.78	1.79	1.72	1.63	1.82	2.1	2.57	2.12	3.81
देश में शाखाओं की संख्या	9,231	10,186	11,448	12,496	13,542	14,097	14,816	15,869	16,333	16,784
विदेश-स्थित शाखाओं/कार्यालयों की संख्या	83	84	92	142	156	173	186	190	191	198

*22 नवंबर 2014 से (रेकार्ड तिथि 21.11.2014) बैंक के शेयर के अंकित मूल्य को 10 रुपए प्रति शेयर से 1 रुपया प्रति शेयर किया गया। वर्ष 2014-15, 2015-16 के लिए आँकड़ें 1 रुपए प्रति शेयर और शेष वर्ष के लिए 10 रुपए प्रति शेयर के अनुसार हैं।

बचत@एसबीआई

भारतीय स्टेट बैंक
हर भारतीय का बैंक

मेरा बचत खाता
मुझे अपने
डीमैट खाते और
ट्रेडिंग खाते
से भी जोड़ता है!

वाह!
निवेश करना वाक़ई
इतना आसान है!

डीमैट
सेवाएं

जी हाँ! एसबीआई में बचत खाते को डीमैट और ट्रेडिंग खाते से भी जोड़ा जा सकता है। आप ऑन-लाइन प्रतिभूतियों को हस्तांतरित/गिरवी/गिरवी रहित कर सकते हैं। अन्य लाभों में 24x7 ग्राहक सेवा, सलाहकारी सेवाएं, ई-खाता विवरण और मोबाइल अलर्ट शामिल हैं। अतः आज ही बचत खाता खोलें... और हमसे अधिक की उम्मीद करें।

भारतीय स्टेट बैंक यानी अधिक सुविधाएं।

बचत खाते की मूल्यवर्धित विशेषताएं: • डेबिट कार्ड • इंटरनेट बैंकिंग
• मोबाइल बैंकिंग • व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा • स्वास्थ्य बीमा • क्रेडिट कार्ड

सहायता के लिए, हमारी 24x7 हेल्पलाइन नंबर 080-26599990 या
टोल फ्री नंबर 1800 11 2211 /1800 425 3800 पर कॉल करें या अधिक जानकारी के लिए www.sbi.co.in लॉग-ऑन करें।

*नियम एवं शर्तें लागू

केंद्रीय निदेशक बोर्ड

27 मई, 2016 को

श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य
अध्यक्ष

श्री बी. श्रीराम
प्रबंध निदेशक

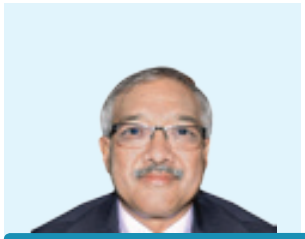

श्री वी. जी. कन्नन
प्रबंध निदेशक

श्री रजनीश कुमार
प्रबंध निदेशक

श्री पी. के. गुप्ता
प्रबंध निदेशक

श्री संजीव मल्होत्रा
शेयरधारक निदेशक

श्री एम. डी. माल्या
शेयरधारक निदेशक

श्री सुनील मेहता
शेयरधारक निदेशक

श्री दीपक आई. अमिन
शेयरधारक निदेशक

श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

डॉ. गिरीश के. आहुजा
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

डॉ. पुष्पेंद्र रॉय
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

सुश्री अंजुली चिब दुग्गल
सचिव, डीएफएस
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

डॉ. ऊर्जित आर. पटेल
उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

अध्यक्ष
श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य

प्रबंध निदेशक
श्री बी. श्रीराम
श्री वी. जी. कन्नन
श्री रजनीश कुमार
श्री पी. के. गुप्ता

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ग) के अंतर्गत निर्वाचित निदेशक
श्री संजीव मल्होत्रा
श्री एम. डी. माल्या
श्री सुनील मेहता
श्री दीपक आई. अमिन

कार्यकाल: 3 वर्ष तथा फिर से 3 वर्ष की अवधि के लिए पुनर्निर्वाचन हेतु पात्र

अधिकतम कार्यकाल: 6 वर्ष

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(घ) के अंतर्गत निदेशक
श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी
डॉ. गिरीश के. आहूजा
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय

कार्यकाल: 3 वर्ष तथा पुनर्नियुक्ति/पुनर्नामांकन हेतु पात्र, परंतु अधिकतम कार्यकाल 6 वर्ष

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ङ) के अंतर्गत निदेशक
सुश्री अंजुली चिब दुग्गल

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(च) के अंतर्गत निदेशक
डॉ. ऊर्जित आर. पटेल

बोर्ड की समितियां

27 मई, 2016 को

केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति (ईसीसीबी)

अध्यक्ष
श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य

प्रबंध निदेशक,
श्री बी. श्रीराम, श्री वी. जी. कन्नन,
श्री रजनीश कुमार और श्री पी. के. गुप्ता

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(च) के अंतर्गत नामित निदेशक (भारतीय रिज़र्व बैंक के नामिती), अर्थात डॉ. ऊर्जित आर. पटेल और भारत में हो रही बैठक-स्थल के निवासी या बैठक के समय उस स्थान पर उपस्थित सभी या अन्य कोई निदेशक।

बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति (एसीबी)

श्री सुनील मेहता, निदेशक-समिति के अध्यक्ष
श्री एम. डी. माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई अमिन, निदेशक-सदस्य
डॉ. गिरीश आहूजा, निदेशक-सदस्य
सुश्री अंजुली चिब दुग्गल, भारत सरकार की नामिती-सदस्य
डॉ. ऊर्जित आर पटेल, भारतीय रिज़र्व बैंक के नामिती-सदस्य
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक (कारपोरेट बैंकिंग समूह)-सदस्य (पदेन)
श्री पी. के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक-सी एवं आर-सदस्य (पदेन)

बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी)

श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक-कारपोरेट बैंकिंग समूह-सदस्य-(पदेन) समिति के अध्यक्ष
श्री पी.के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक-सी एवं आर-सदस्य (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री एम.डी.माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री सुनील मेहता, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई अमिन, निदेशक-सदस्य
श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी, निदेशक-सदस्य
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, निदेशक-सदस्य

बोर्ड की हितधारक संबंध समिति (एसआरसी)

श्री एम. डी. माल्या, निदेशक-समिति के अध्यक्ष
श्री सुनील मेहता, निदेशक-सदस्य
डॉ. गिरीश के आहूजा, निदेशक-सदस्य
श्री वी. जी. कन्नन, प्रबंध निदेशक (सहयोगी एवं अनुषंगी)-(पदेन)
श्री रजनीश कुमार, प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय बैंकिंग समूह-सदस्य (पदेन)

बड़ी राशि की धोखाधड़ी की निगरानी करने के लिए बोर्ड की विशेष समिति (एससीबीएमएफ)

श्री रजनीश कुमार, प्रबंध निदेशक (राष्ट्रीय बैंकिंग समूह)-सदस्य (पदेन)- समिति के अध्यक्ष
श्री पी.के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक (सी एंड आर)-सदस्य (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री एम. डी. माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री सुनील मेहता, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई. अमिन, निदेशक-सदस्य
श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी, निदेशक-सदस्य
डॉ. गिरीश के आहूजा, निदेशक-सदस्य

बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी)

श्री बी श्रीराम, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (कारपोरेट बैंकिंग समूह)-सदस्य (पदेन)-समिति के अध्यक्ष
श्री रजनीश कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग समूह)-सदस्य (पदेन)
श्री एम. डी. माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री सुनील मेहता, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई. अमिन, निदेशक-सदस्य
श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी, निदेशक-सदस्य
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, निदेशक-सदस्य

बोर्ड की सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति (आईटीएससी)

श्री दीपक आई. अमिन, सदस्य (पदेन)-समिति के अध्यक्ष
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री एम. डी. माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री सुनील मेहता, निदेशक-सदस्य
श्री बी श्रीराम, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (कॉरपोरेट बैंकिंग समूह)-सदस्य (पदेन)
श्री पी.के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक (सी एंड आर)-सदस्य (पदेन)

कारपोरेट सामाजिक दायित्व समिति (सीएसआर)

श्री वी. जी. कन्नन, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सहयोगी एवं अनुषंगी)-सदस्य (पदेन)-समिति के अध्यक्ष
श्री रजनीश कुमार, प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय बैंकिंग समूह-सदस्य (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री सुनील मेहता, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई. अमिन, निदेशक-सदस्य
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, निदेशक-सदस्य

बोर्ड की पारिश्रमिक समिति (आरसीबी)

सुश्री अंजुली चिब दुग्गल, भारत सरकार के नामिती-सदस्य (पदेन)
डॉ. ऊर्जित आर.पटेल, भारतीय रिज़र्व बैंक के नामिती-सदस्य (पदेन)
श्री एम डी माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई. अमिन, निदेशक-सदस्य

बोर्ड की वसूली निगरानी समिति (बीसीएमआर)

श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य, अध्यक्ष
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (कॉरपोरेट बैंकिंग समूह)-सदस्य
श्री वी. जी. कन्नन, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सहयोगी एवं अनुषंगी)-सदस्य
श्री रजनीश कुमार, प्रबंध निदेश एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग समूह)-सदस्य
सुश्री अंजुली चिब दुग्गल, भारत सरकार के नामिती-सदस्य (पदेन)

इरादतन चूककर्ता/असहयोगी ऋणियों के निर्धारण हेतु समीक्षा समिति

प्रबंध निदेशक - कॉरपोरेट बैंकिंग समूह (सीबीजी) - समिति के अध्यक्ष
बैंक के अन्य दो स्वतंत्र निदेशक

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 21 (1) (क) के अंतर्गत अध्यक्ष द्वारा नामित स्थानीय बोर्डों के सदस्य, प्रबंध निदेशक (राष्ट्रीय बैंकिंग समूह) से भिन्न 27 मई, 2016 को

अहमदाबाद
श्री संजीव नौटियाल
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

बेंगलूरु
श्रीमती रजनी मिश्रा
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

भोपाल
श्री के. टी. अजित
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री अनिल गर्ग

भुवनेश्वर
श्री बी. वी. जी. रेड्डी
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री शरत चंद्र भद्र

चंडीगढ़
श्री अनिल किशोरा
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री अनिल अरोड़ा

चेन्नई
श्री बी. रमेश बाबु
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

हैदराबाद
श्री हरदयाल प्रसाद
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री एम. वी. रंगनाथ

कोलकाता
श्री प्रशांत कुमार
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

लखनऊ
श्री गौतम सेनगुप्ता
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री मुनीश कुमार जैन

मुंबई
श्री दीपंकर बोस
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा*
श्री एम.डी. माल्या*
श्री सुनील मेहता*
श्री दीपक आई अमिन*

दिल्ली
श्री पल्लव महापात्र
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी*
श्री दिनेश कुमार
डॉ. गिरीश के आहूजा*
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय*

उत्तर पूर्वी
श्री पी.वी.एस.एल.एन. मूर्ति
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

पटना
श्री अजित सूद
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

केरल
श्री बादल चंद्र दास
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री ए.गोपालकृष्णन

* भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 21 (1) (ख) के अनुसार स्थानीय बोर्डों में नामित केंद्रीय बोर्ड के निदेशक

केंद्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य दिनांक 27 मई, 2016 की स्थिति के अनुसार

श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य
अध्यक्ष

श्री बी. श्रीराम
प्रबंध निदेशक
(कॉरपोरेट बैंकिंग समूह)

श्री वी. जी. कन्नन
प्रबंध निदेशक
(सहयोगी एवं अनुषंगी)

श्री रजनीश कुमार
प्रबंध निदेशक
(राष्ट्रीय बैंकिंग समूह)

श्री पी. के. गुप्ता
प्रबंध निदेशक
(अनुपालन एवं जोखिम)

श्री एन. कृष्णमाचारी
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी

श्री अश्विनी मेहरा
उप प्रबंध निदेशक एवं कॉरपोरेट विकास अधिकारी

श्री सुनील श्रीवास्तव
उप प्रबंध निदेशक
(कॉरपोरेट लेखा समूह)

श्री सिद्धार्थ सेनगुप्ता
उप प्रबंध निदेशक
(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह)

श्रीमती अंशुला कांत
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य वित्त अधिकारी

डॉ. एम. एस. शास्त्री
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य जोखिम अधिकारी

श्री मृत्युंजय महापात्रा
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य सूचना अधिकारी

डॉ. एम. जी. वैद्यन
उप प्रबंध निदेशक
(तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह)

श्री शशी कुमार सी. आर.
उप प्रबंध निदेशक
(निरीक्षण एवं प्रबंधन लेखा-परीक्षा)

श्री जे. पकरीसामी
उप प्रबंध निदेशक
(मिड कॉरपोरेट ग्रुप)

श्री शेखर कर्णम
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य ऋण अधिकारी

श्रीमती मंजु अग्रवाल
उप प्रबंध निदेशक
(कॉरपोरेट कार्यनीति एवं नव व्यवसाय)

Smt Arundhati Bhattacharya
Chairman

Shri B. Sriram
Managing Director
(Corporate Banking Group)

Shri V.G. Kannan
Managing Director
(Associates & Subsidiaries)

Shri Rajnish Kumar
Managing Director
(National Banking Group)

Shri P.K. Gupta
Managing Director
(Compliance & Risk)

Shri N. Krishnamachari
Deputy Managing Director & Chief Operating Officer

Shri Ashwini Mehra
Deputy Managing Director & Corporate Development Officer

Shri Sunil Srivastava
Deputy Managing Director
(Corporate Accounts Group)

Shri Siddhartha Sengupta
Deputy Managing Director
(International Banking Group)

Smt Anshula Kant
Deputy Managing Director & Chief Financial Officer

Dr M. S. Sastry
Deputy Managing Director & Chief Risk Officer

Shri Mrutyunjay Mahapatra
Deputy Managing Director & Chief Information Officer

Dr M.G. Vaidyan
Deputy Managing Director
(Stressed Assets Management Group)

Shri Sasikumar C.R.
Deputy Managing Director
(Inspection and Management Audit)

Shri J. Packirisamy
Deputy Managing Director
(Mid Corporate Group)

Shri Sekar Karnam
DMD & Chief Credit Officer

Smt Manju Agarwal
Deputy Managing Director
(Corporate Strategy and New Businesses)

बैंक के लेखा-परीक्षक

मेसर्स वर्मा एंड वर्मा कोचि	**M/s Varma & Varma** Kochi
मेसर्स मेहरा गोयल एंड कंपनी नई दिल्ली	**M/s Mehra Goel & Co.** New Delhi
मेसर्स एस आर आर के शर्मा एसोशिएट्स बेंगलूरु	**M/s S R R K Sharma Associates** Bangalore
मेसर्स वी शंकर अय्यर एंड कंपनी मुंबई	**M/s V Sankar Aiyar & Co.** Mumbai
मेसर्स एस एन मुखर्जी एंड कंपनी कोलकाता	**M/s S N Mukherji & Co.** Kolkata
मेसर्स बी छावछरिया एंड कंपनी कोलकाता	**M/s B Chhawchharia & Co.** Kolkata
मेसर्स मनुभाई एंड शाह, एल एल पी अहमदाबाद	**M/s Manubhai & Shah LLP** Ahmedabad
मेसर्स एम.भास्कर राव एंड कंपनी हैदराबाद	**M/s M. Bhaskara Rao & Co.** Hyderabad
मेसर्स जीएसए एंड एसोशिएट्स नई दिल्ली	**M/s GSA & Associates** New Delhi
मेसर्स चटर्जी एंड कंपनी कोलकाता	**M/s Chatterjee & Co.** Kolkata
मेसर्स बंसल एंड कंपनी नई दिल्ली	**M/s Bansal & Co.** New Delhi
मेसर्स अमित रे एंड कंपनी इलाहाबाद	**M/s Amit Ray & Co.** Allahabad
मेसर्स एस एल छाजड एंड कंपनी भोपाल	**M/s S L Chhajed & Co.** Bhopal
मेसर्स मित्तल गुप्ता एंड कंपनी कानपुर	**M/s Mittal Gupta & Co.** Kanpur